दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–148

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।

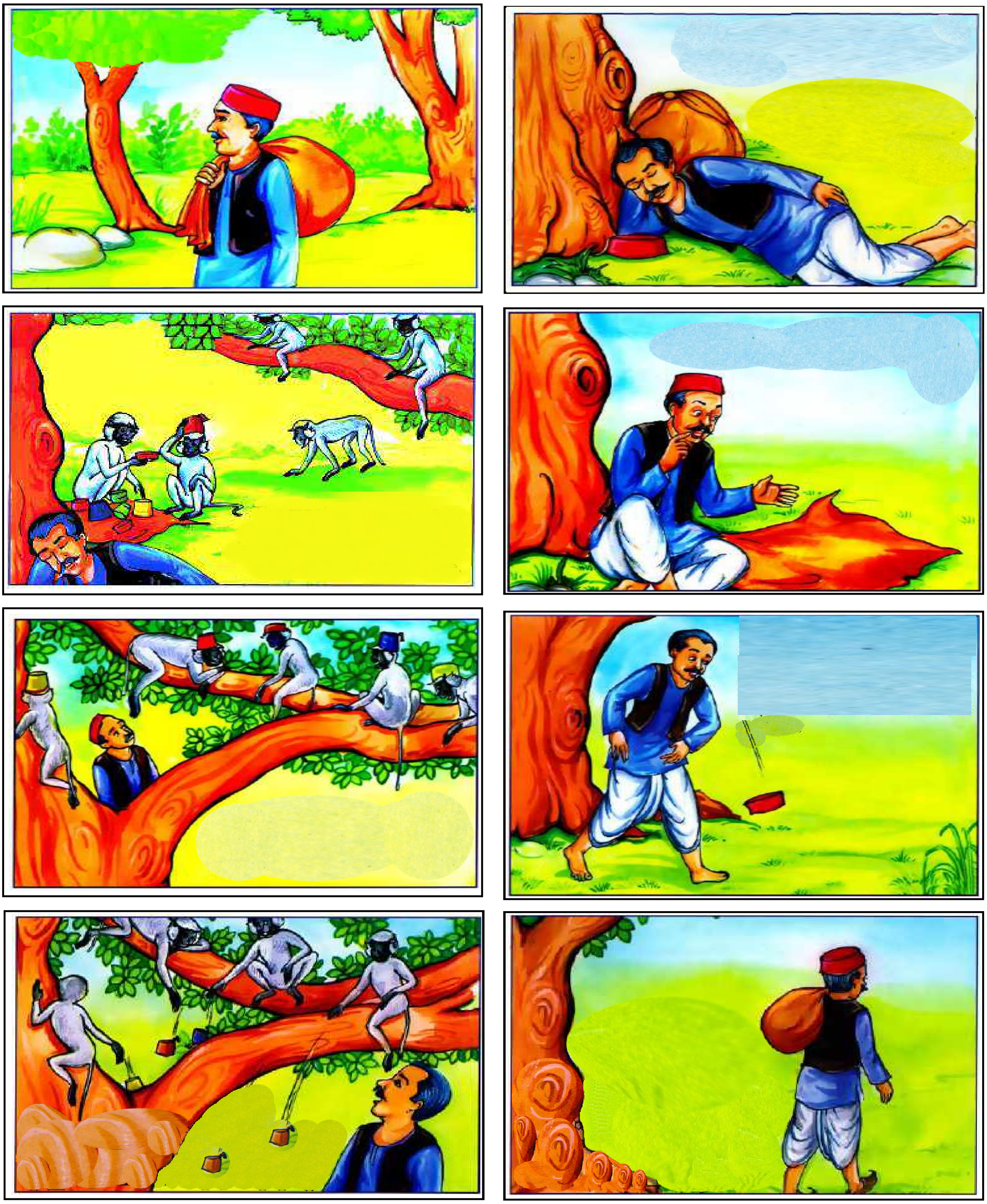

तस्वीरें देखकर आपको बंदर और टोपीवाले की कहानी जरूर याद आई होगी! चलिए, पढ़ते हैं –

एक टोपीवाला था। वह टोपी बेचने दूसरे गाँव जा रहा था। रास्ते में एक पेड़ के नीचे वह आराम करने लगा। उसे नींद आ गई। कुछ देर बाद उसकी आँखें खुलीं तो देखा कि सारी टोपियाँ गायब हैं। तभी टोपीवाले की नजर पेड़ पर गई। पेड़ पर बहुत से बंदर थे। सभी बंदर टोपियाँ पहने बैठे थे। टोपीवाले ने बंदरों से टोपी लेने की बहुत कोशिश की। पर सब बेकार। गुस्से में झुँझलाकर टोपीवाले ने अपनी टोपी जमीन पर फेंक दी। सभी बंदरों ने भी वैसा ही किया। टोपीवाला जल्दी से टोपियों को समेटकर अपने रास्ते चल पड़ा। अब आगे की कहानी पढ़िए –

पचास साल बाद टोपीवाले का पोता टोपियाँ लेकर वहाँ से गुजरा। पेड़ अब ज्यादा घना एवं छायादार हो गया था। पोता भी वहाँ आराम करने लगा। उसे नींद आ गई।

नींद खुली तो देखा टोपियाँ गायब हैं। पोते को दादाजी का किस्सा याद आ गया। ऊपर देखा, बंदर टोपियाँ पहने बैठे हैं। उसने अपनी टोपी जमीन पर पटक दी। एक बंदर झट से नीचे उतरा और उसकी टोपी लेकर पेड़ पर चढ़ गया। बंदर बोला, ''तुम क्या समझते हो, दादाजी से सीख तुमने ही ली है? हमारे दादा–परदादा हमें कुछ नहीं सिखा गए?''

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–149

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से बंदर के अंग, रंग, भोजन तथा आवास के बारे में बातचीत।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बंदर कहाँ रहता है?

(ख) बंदर किस रंग का होता है?

(ग) बंदर क्या–क्या खाता है?

(घ) आपके पास बंदर होता तो आप क्या करते?

बंदर के अंगों के नाम तथा उसकी संख्या लिखिए –

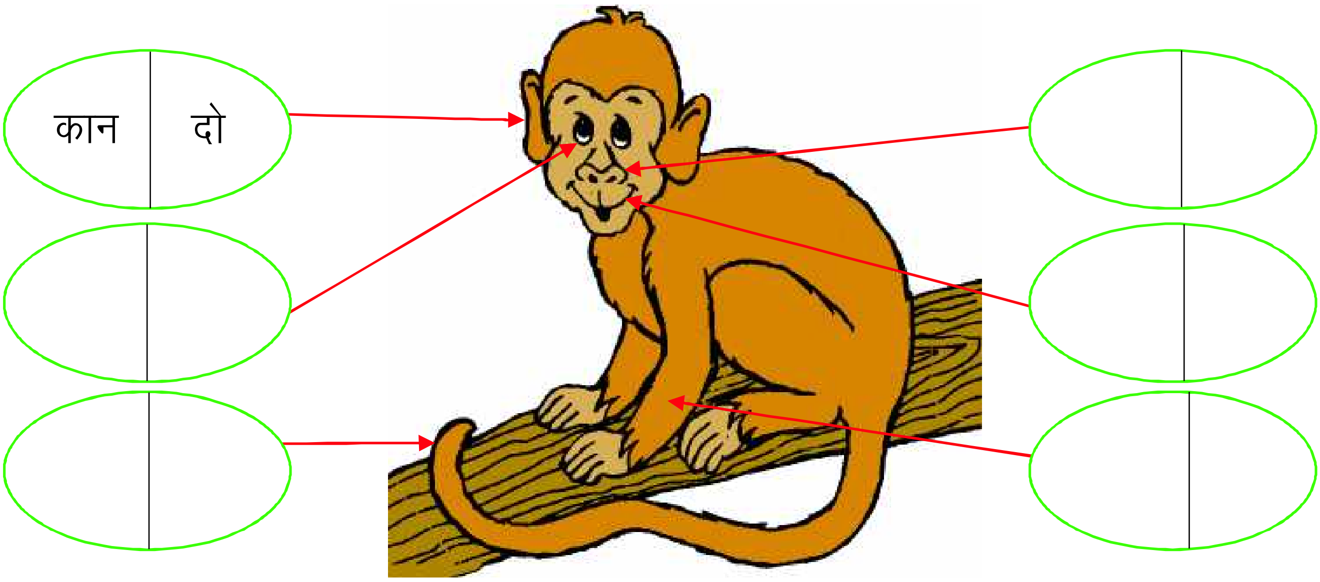

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–150

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से अभ्यास–पुस्तिका की सहायता से आज के दिवस में आए कहानी के चित्र को देखकर कहानी बनाने का अभ्यास करवाएँ तथा टोपियों के आकार–प्रकार तथा उसे बनाने के लिए प्रयोग में लाई गई सामग्रियों पर बातचीत करें।

देखिए, समझिए और लिखिए–

टोपी	टोपियाँ
बकरी	
कहानी	
रानी	

कहानी में आए टोपी का चित्र बनाइए–

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–151

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अभ्यास–पुस्तिका की सहायता से पिछले दिवस में आए कहानी के चित्रों को आज के चित्रों के साथ जोड़ते हुए कहानी बनाने का अभ्यास करवाएँ तथा हमारे जीवन में पेड़ों की उपयोगिता पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अपने आस–पास दिखाई देने वाले पेड़ के नाम लिखिए।

(ख) पेड़ पर कौन–कौन से जीव रहते हैं?

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–

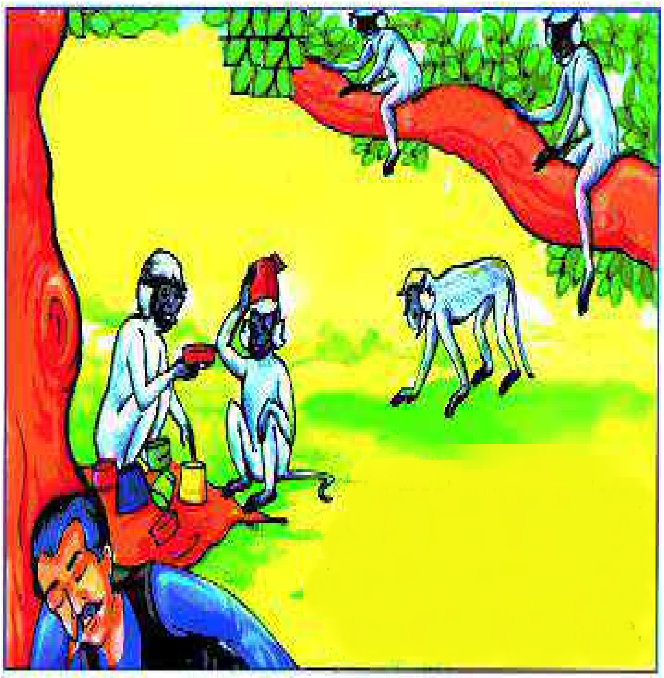

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–152

शिक्षण–निर्देश :

पिछले दिवस की तरह आज के दिवस में भी 'बंदर और टोपी' की कहानी को आगे बढ़ाने का अभ्यास करवाएँ **तथा** घर के आस–पास घूमने वाले फेरीवाले के बारे में बातचीत करें।

आप इन्हें क्या कहते हैं, लिखिए–

जैसे– जो टोपी बेचता है–	**टोपीवाला**
(क) जो पूजा कराता है–	
(ख) जो सब्जी बेचता है–	
(ग) जो बाल काटता है–	
(घ) जो मछलियाँ पकड़ता है–	

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–153

शिक्षण–निर्देश :

पिछले दिवस की तरह आज के दिवस में भी 'बंदर और टोपी' की कहानी को आगे बढ़ाने का अभ्यास करवाएँ तथा 'बंदर और टोपी' की कहानी का अलग–अलग अंत सोचने को कहें, जैसे आगे कहानी में क्या हुआ होगा, क्या टोपीवाले ने टोपियाँ बेचना छोड़ दिया होगा, क्या बंदरों ने अपनी गलती के लिए टोपीवाले से माफी माँगी होगी आदि।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) टोपीवाले ने बंदरों से अपनी टोपियाँ वापस लेने के लिए क्या किया?

(ख) टोपियाँ मिलने पर टोपीवाले ने क्या किया?

चित्र देखिए और उसके बारे में लिखिए–

दिनांक	बंदर और टोपी	दिवस–154

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अभ्यास–पुस्तिका में पाठ के चित्र को देखकर पूरी कहानी को अपने शब्दों में बोलने का अभ्यास करवाएँ।

पाठ के चित्र को देखकर 'बंदर और टोपी' की पूरी कहानी को अपने शब्दों में लिखिए–

अपनी पसंद का चित्र बनाइए और उसका नाम लिखिए–

दिनांक

बंदर और टोपी

दिवस–155

शिक्षण–निर्देश :
पिछले दिवस विद्यार्थियों ने कहानी का जो अंत सोचा हो उसको कक्षा के सामने रखते हुए 'बंदर और टोपी' की कहानी के वास्तविक अंत (पाठ के आधार पर) बताएँ तथा कहानी में आए दादा, परदादा तथा पोता आदि शब्दों के माध्यम से हमारे जीवन से जुड़े विभिन्न प्रकार के रिश्तों के बारे में बातचीत करें।

इनको आप क्या बुलाते हैं–

(क) पिताजी की माँ	दादी	(च) माँ के भाई	
(ख) पिताजी के पिताजी		(छ) चाचा का बेटा/बेटी	
(ग) माँ के पिताजी		(ज) पिताजी की बहन	
(घ) माँ की माँ		(झ) माँ की बहन	
(ङ) पिताजी के भाई		(ञ) पिताजी का बेटा/बेटी	

इनमें से कौन–कौन आपके घर में रहते हैं, उन्हें लिखिए–

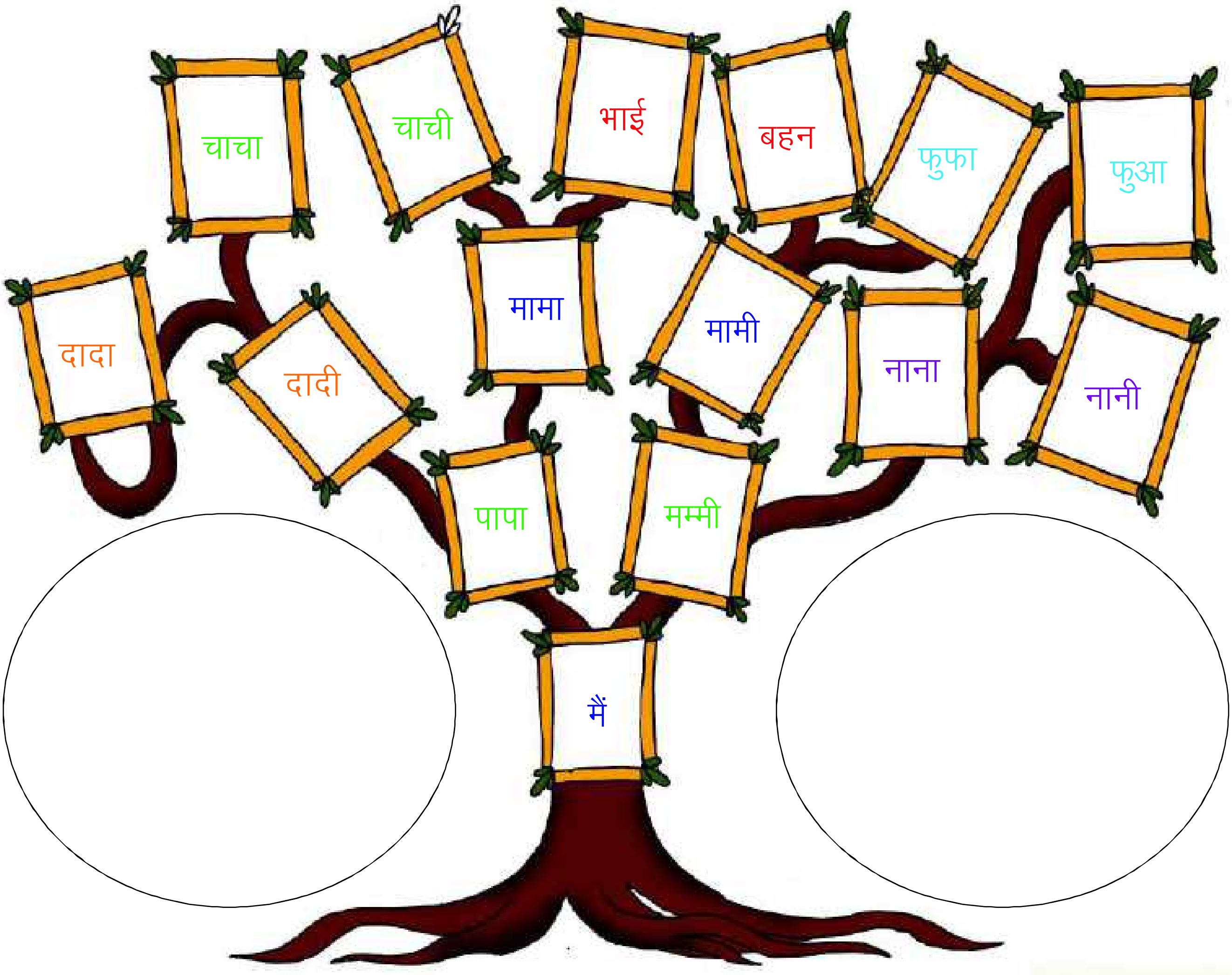

दिनांक	# बंदर और टोपी	दिवस–156

शिक्षण–निर्देश :

'बंदर और टोपी' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ।

पाठ की कहानी पढ़कर वाक्य पूरा कीजिए–

(क) एक .... था।

(ख) वह पेड़ के नीचे .... करने लगा।

(ग) सभी बंदर .... पहने बैठे थे।

(घ) पेड़ अब ज्यादा घना एवं .... हो गया था।

(ङ) उसने अपनी टोपी .... पर पटक दी।

इन शब्दों को आप जो कहते हैं, उन्हें लिखिए और वाक्य बनाइए–

रास्ता– राह	राह में एक पेड़ के नीचे वह आराम करने लगा।
पेड़–	
आँख–	

'बंदर और टोपी' की कहानी को उसके सही क्रम में सजाकर लिखिए–

बंदरों ने उसकी टोपियाँ पहन ली।	
एक टोपीवाला था।	
बंदरों ने टोपियाँ जमीन पर फेंक दी।	
वह टोपियाँ बेचने दूसरे गाँव गया।	
टोपीवाले ने अपनी टोपी जमीन पर फेंक दी।	